%%A. D. 1190 ― 1435

%%or Śaka 1112 – 1357

%% p. 657

NO. 344

Lakshmī-Narasiṃha Temple at Simhāchalaṃ<1>

( S. I. I. Vol. VI, No. 1025; A. R. No. 332-XV of 1899 )

Ś. 1295

(१।) श्रीशाकाव्दे स्त्र-[रत्न]-ग्रहपतिगणिते माग्गंमासे दशम्यां शुक्लायां सौ-

(२।) म्यवारे यतितिल[क]जगन्नाथतीर्थाग्रपादः । भंडारे गंड-

(३।) निष्कान् हरिशिखरिपतेरप्पइत्वार्क्कसंख्यान प्रादा[द्धि]प्रस्थ-

(४।) मानं दधिकलशमपूपद्वयं शौरिप्रीत्यै [।।]शकव-

(५।) र्षवुलु १[२]९५ गुनेंटि मार्ग्गशिर शुक्ल १० वुधवारमु-

(६।) नांडु<2> नरहरिमठान जगन्नाथतीथश्रीपादालु श्रीनरसि-

(७।) हनाथुनि भंडारमंदु तेलिकट्टु पंड्रेडु गंडं

(८।) माडलु १२ पेट्टि नित्यमुन्नु रेंडु कु-चालु पेट्टेटि

(९।) पेरुवु प . . ओक्कंटिनि अप्पालु रेंडु[२]का ओक [अ]ड्य-

(१०।) डु वृत्ति पडसिरि ।। ई वृत्ति आचंद्रार्क्कस्थाइ[गा]-

(११।) नु चेल्लंगलदु ।। ई धर्म्म श्रीवैष्णव रक्ष श्री श्री श्री [।।]

<1. In the thirty-seventh niche of the verandah round the central shrine of this temple.>

<2. The date is not regular.>